Chapter- 4

संज्ञा

STUDY NOTES

विषय सारांश:

- किसी प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।
- संज्ञा के तीन भेद है, जैसे: व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा और भाववाचक संज्ञा।
- किसी विशेष प्राणी, वस्तु या स्थान के नाम का बोध कराने वाले शब्दों को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।
  उदाहरण- दिनेश, सूर्य, होली
- किसी प्राणी, वस्तु या स्थान की संपूर्ण जाति का बोध कराने वाले शब्दों को जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।
  उदाहरण- माँ, लड़का, किताब
- किसी वक्ति, वस्तु, स्थान के गुण-दोष, दशा आदि का बोध कराने वाले शब्दों को भाववाचक संज्ञा कहते हैं।
  उदाहरण- बचपन, जीत, आनंद

संज्ञा के दो अन्य भेद हैं, जो जातिवाचक संज्ञा के अंतर्गत आते हैं।

- किसी धातु, द्रब्य, पदार्थ आदि का बोध कराने वाले शब्दों को द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं।
  उदाहरण- सोना, तेल, कुर्सी
- किसी प्राणी, वस्तु आदि के समूह या समुदाय का बोध कराने वाले शब्दों की समुदाय वाचक संज्ञा कहते हैं।
  उदाहरण- जनता, कक्षा, सेना

आइए, अब लिखें

१. सही (✓) या गलत (✗) का चिह्न लगाइए।

क) किस शब्द से किसी विशेष, प्राणी, वस्तु या स्थान का पता चले, वह व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाता है। (✓)

ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा बनती है। (✗)

ग) 'उदासी' शब्द भाववाचक संज्ञा है। (✓)

घ) 'गेहूँ ' द्रव्यवाचक संज्ञा है। (✓)

ङ) संज्ञा के चार भेद होते हैं। (×)

च) 'नीरजा' तथा 'दिव्या' जातिवाचक संज्ञा हैं। (×)

छ) गुण, दशा, भाव आदि के नाम भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं। (✓)

२. दिए गए अनुच्छद को पढ़कर उसमें से व्यक्तिवाचक, जातिवाचक तथा भाववाचक संज्ञाएँ छाँटिए।

एक बार सम्राट चंद्रगुप्त के पास राजवीर नामक एक मूर्तिकार तीन मूर्तियाँ लेकर आया। उसने सम्राट से कहा, ''आपके दरबारियों में से जो यह बता देगा कि कौन-सी मूर्ति अधिक मूल्यवान है, मैं उसकी बुद्धिमानी को मान जाऊँगा।'' सारे दरबार में शांति छा गई, क्योंकि तीनों मूर्तियाँ देखने में एक समान थीं। उस समय रत्नाकर नामक दरबारी ने आगे आकर अपनी बुद्धिमत्ता का परिचय दिया।

व्यक्तिवाचक	**जातिवाचक**	**भाववाचक**
चंद्रगुप्त	सम्राट	बुद्धिमानी
राजवीर	मूर्तिकार	शांति
रत्नाकर	दरबारी	बुद्धिमता
	मूर्ति	
	दरबार	

३. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए।

क) भूखा - भूख ख) ऊँचा - ऊँचाई

ग) स्व - स्वत्व घ) प्यासा - प्यास

ङ) चतुर - चतुरता च) गहरा - गहराई

छ) सेवक - सेवा ज) मूर्ख - मूर्खता

झ) हिंसक - हिंसा ञ) महान - महानता

४. कोष्ठक में दिए गए ाब्दों को भाववाचक संज्ञा में बदलकर रिक्त स्थान भरीए।

क) सदा भलाई करनी चाहिए। (भला)

ख) कहानी सुनकर सबको हँसी आ गई। (हँसना)

ग) मदुरै के मीनाक्षी मंदिर की सुंदरता देखते ही बनती है। (सुंदर)

घ) गन्ने में बहुत मिठास है। (मीठा)

ङ) मानव बहुत शरारती लड़का है। (शरारत)

♦♦♦